तृतीय सेमेस्टर				
क्र0 सं0	**कोर्स का नाम**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
7	**प्रयोगात्मक - 6**	एम0पी**0**ए0एम0टी0-6**04**	**350**	**7**
प्रथम खण्ड	इकाई 1 - उपरोक्त सभी तालों में 1 पेशकार, 1 कायदा, 1 रेला, गत, परन, चक्करदार, टुक्ड़े, तिहाई।			
	इकाई 2 - नृत्य के बोलों का ज्ञान एवं वादन से विभिन्न घरानों को स्पष्ट करना।			
	इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों की पढन्त।			
	इकाई 4 - पाठ्यक्रम की तालों की लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ व बिआड़) में पढन्त।			
	इकाई 5 - तबले की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) की पढन्त।			
	इकाई 6 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
	इकाई 7 - गायक, वादक एवं नृत्य के साथ संगत का ज्ञान।			
	इकाई 8 - कहरवा, दादरा में लग्गी-लडी बजाने का अभ्यास।			
	इकाई 9 - तबला मिलाने का ज्ञान।			
	इकाई 10 - पाठ्यक्रम की तालों में लहरा बजाने का अभ्यास।			

नोट – इस प्रश्न पत्र की सभी इकाईयां क्रियात्मक व प्रायोगिक होने के कारण तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के लिए समान है। विद्यार्थी तृतीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए तालों के अनुरूप अध्ययन करें।

तृतीय सेमेस्टर

विस्तृत ताल – पंचमसवारी व झपताल **अविस्तृत ताल - दीपचन्दी, तीवरा व लक्ष्मी ताल**

नोट – पूर्व के सेमेस्टरों के प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।

2. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल परिचय (सभी भाग),संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल प्रभाकर प्रश्नोत्तरी, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

4. श्री मधुकर गणेश गोडबोले,तबला शास्त्र , अशोक प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद ।

5. डॉ0 आबान ई0 मिस्त्री , तबले की बन्दिशे, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. डॉ0 आबान ई0 मिस्त्री , पखावज और तबला के घराने एवं परम्पराएं, स्वर साधना समिति, एनेक्स जम्बुलबाडी, मुम्बई।

7. डॉ0 अरूण कुमार सेन,भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल ।